GRADE- IX

TIME : THREE HOURS

ASSESSMENT II

HINDI

MM- 80

(Answer to this paper must be written on the paper provided separately)

You will not allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

This time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.

This paper comprises of two section- section A and section B .

Attempt all the questions from section A and B

The intended marks for questions or part of questions are given in bracket ( )

SECTION – A (40 MARKS)

(Attempt all questions from this Section)

Question 1.

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :-

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। **(15)**

1. अपने परिवार की किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो। बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की ।
2. 'अरे! मित्र तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो। इस पंक्ति से आरंभ करते हुए कोई कहानी लिखिए।
3. ज्ञान प्राप्त करने के बहुत से साधन हैं। यात्रा पर जाना भी किसी पाठशाला में जाकर शिक्षा प्राप्त करने से कम नहीं है। ऐसी ही किसी यात्रा का वर्णन कीजिए। बताइए कि उस यात्रा से आपने क्या-क्या सीखा?
4. 'जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान।' इस उक्ति के आधार पर कहानी लिखिए।
5. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखें और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा और स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Downloaded From www.icseboard.org

Question 2.

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए ।
(7)

1- आपकी बड़ी बहन डॉक्टर बनना चाहती है जिसके लिए वह जोरों-शोरों से तैयारी कर रही है। उस परीक्षा में वह सफल हो जाए, ऐसी कामना करते हुए अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखिए

2- आप अपने विद्यालय के 'सफाई अभियान दल' के नेता हैं। एक योजना के अंतर्गत आप छात्रों के एक दल को किसी इलाके में सफाई के प्रति जागरूक करने हेतु ले जाना चाहते हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य जी को इसके लिए स्वीकृति हेतु पत्र लिखिए।

Question 3.

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow , using your own words as far as possible :- **(10)**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए ।

कुछ ही वर्षों पुरानी बात है। दीनदयाल नाम के एक सेठ अजमेर में रहते थे। एक दिन उन्होंने एक पुस्तक में पढ़ा गुरु के बिना ज्ञान नहीं और ज्ञान के बिना मोक्ष नहीं। सेठ ने निश्चय किया कि एक ऐसे गुरु की तलाश की जाए जो बहुत ज्ञानी हो। बहुत से गुरुओं के पास गए। उन्हें जांचा-परखा पर कोई खरा न निकला, परंतु तलाश का अंत नहीं हुआ।

बहुत दिन बीत गए। सेठ जी परेशान रहने लगे । एक दिन सेठानी ने कहा, "आप परेशान क्यों होते हो। आप अपना काम करो। यह काम मुझ पर छोड़ दो। जो मिला करें उसे मेरे पास भेज दिया करो।" सेठ जी सहमत हो गए। एक झंझट समाप्त हुआ। सेठानी ने पिंजरे में एक कौआ पाला । जो भी महात्मा वहां आते, उनसे यही कहती- "देखिए मेरा पाला कबूतर अच्छा है न।" अनेक संत आए। सभी कहते, "कबूतर कहां है? यह तो कौआ है।" परंतु सेठानी अपनी बात पर अड़ी रहती। जब वह टस-से-मस नहीं होती तो संत क्रोध में भरकर उल्टी-सीधी बातें कहते और वापस चले जाते।

सेठानी ने हार नहीं मानी। यही क्रम चलता रहा। बहुतेरे संत आए और चले भी गए। कोई सेठानी की परीक्षा पर खरा नहीं उतरा। जो छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित हो जाए वह संत कैसा! जो संत नहीं वह गुरु बनने के योग्य नहीं।

एक दिन एक वयोवृद्ध संत आए। सत्कार करने के उपरांत सेठानी ने कौआ-कबूतर का किस्सा शुरू कर दिया। ये संत आवेश में नहीं आए। कौए और कबूतर का अंतर समझने लगे। सेठानी को न समझना था तो न समझी। उनके न समझने पर संत इतना कह कर चले गए, "बेटी, हठ मत करना। तथ्य का पता लगाना। कोई सर्वज्ञ नहीं। हमसे भी और आपसे भी भूल हो सकती है। सत्य को समझने के लिए मन के द्वार खुले रखने चाहिए।" वह हंसते हुए चल दिए। न क्रोध था, न आवेश और न मानापमान का भाव ही ।

सेठानी उस संत को द्वारा से वापस लौटा लाई। नमन किया और उनके चरणों के निकट बैठकर बोली- "जैसा चाहती थी, वैसा ही आपमें पाया। कृपया हमारे परिवार के गुरु का उत्तरदायित्व ग्रहण करें।" घर के सभी लोग उनके शिष्य बन गए।

Downloaded From www.icseboard.org

1. सेठ कहां का रहने वाला था? उसे गुरु की तलाश क्यों थी?
2. सेठ की परेशानी का क्या कारण था? वह परेशानी किस प्रकार कम हुई?
3. सेठानी ने गुरु की तलाश के लिए क्या किया?
4. अंत में सेठानी की परीक्षा में कौन सफल हुआ और क्यों?
5. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षा लिखिए।

Question 4.

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

1. तपस्वी का स्त्रीलिंग शब्द क्या है? (1)

गृहणी , पुजारी , पुजारिन , तपस्विनी

2. इतिहास से संबंध रखने वाला- (1)

इतिहासज्ञ , इतिहासकार , ऐतिहासिक , पौराणिक

3. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं? (1)

एक , दो , तीन , चार

4. रानी लक्ष्मीबाई द्वारा अंग्रेजों से युद्ध किया गया। (1)

कर्मवाच्य , कर्तृवाच्य , भाववाचक , इनमें से कोई नहीं

5. निम्नलिखित शब्दों में से भाववाचक संज्ञा शब्द चुनिए। (1)

ऐश्वर्य , ईश्वर , गूंजना , सजाना

6. प्रतिमा शब्द का अर्थ कौन-सा है? (1)

मूर्ति , प्राकृतिक , मूल्यवान , प्रशंसा

7. अतिवृष्टि का विलोम शब्द क्या होगा ? (1)

अपकीर्ति , अनावृष्टि , अनाकर्षण , कुटिल

8. सोना शब्द का समानार्थी शब्द क्या होगा? (1)

कनक , भुजंग , मयंक , इनमें से कोई नहीं

Downloaded From www.leseboard.org

Section –B (40 Marks)

(Attempt four questions from this Section)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

नोटः. किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

Question 5. Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow-

" नहीं साब,वो लंगड़ा क्या जाएगा फौज में? पागल है,पागल। वो देखो वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो । फोटो-वोटो छपवा दो उसका कही।"

- हालदार को पानवाले की कौन-सी बात अच्छी नहीं लगी और क्यों? (2)
- सेनानी न होने पर भी चश्मेवाले को कैप्टन क्यों कहा जाता था? सोचकर लिखिए। (2)
- हालदार साहब पानवाले से क्या पूछना चाहते थे और क्यों? पानवाले ने उनकी बात पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की? (3)
- चश्मेवाले को देखकर हालदार साहब अवाक क्यों रह गए? चश्मेवाले का परिचय दीजिए? (3)

Question 6.

'भयानक शीत है । उसके पास कम बहुत कम कपड़े.......?' 'यह संसार है यार, 'मैंने स्वार्थ की फिलासफी सुनाई।

- लेखक के मित्र की उदासी का कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि वह पहाड़ी बालक की सहायता क्यों नहीं कर सका? (2)
- 'यह संसार है यार'- वाक्य आजकल के मनुष्यों की किस प्रवृत्ति का दयोतक है? (2)
- अपना-अपना भाग्य कहानी में निहित व्यंग को स्पष्ट करें? (3)
- अपना-अपना भाग्य कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए? (3)

Question 7.

उन्होंने निर्दयता से रसीला को खूब पीटा फिर घसीटते हुए पुलिस थाने ले गए। सिपाही के हाथ में 500 का नोट रखते हुए बोले, "मनवा लेना। लातों के भूत बातों से नहीं मानते।"

- उपरोक्त कथन का वक्ता कौन है? उन्होंने रसीला को क्यों पीटा? (2)
- 'मनवा लेना' वाक्य किसने, किसे कहा? क्या बात मनवानी थी व इसके लिए उसे क्या प्रलोभन दिया गया? (2)
- कथन के आधार पर वक्ता की किस मानसिकता का पता लगता है? (3)
- 'लातों के भूत बातों से नहीं मानते।' क्या रसीला के संदर्भ में ऐसा कहना उचित था? अपने विचार लिखो। (3)

साहित्य सागर (पद्य)

Question 8. Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow-

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सबको मुक्त प्रकाश चाहिए

सबको मुक्त समीरण

बाधा रहित विकास मुक्त

आकांक्षाओं से जीवन।

लेकिन विघ्न अनेक अभी

Downloaded From www.icseboard.org

इस पथ पर अड़े हुए हैं
मानवता की राह रोक
पर्वत अड़े हुए हैं।

- मुक्त प्रकाश और समीरण से क्या तात्पर्य है? (2)
- उपरोक्त पंक्तियों के अनुसार कवि क्या अनुभव करता है? (2)
- पर्वत किसे कहा गया है और वह किसकी राह रोके हुए हैं? (3)
- वर्तमान संदर्भ में उपरोक्त पंक्तियों की सार्थकता प्रमाणित कीजिए। (3)

Question 9

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही।'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के,
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

- यहां मेहमान किसे कहा जा रहा है व क्यों? (2)
- तालाब ने किस परंपरा का निर्वाह किया? (2)
- पीपल को बूढ़ा क्यों कहा गया है और उसने ही मेघों की जुहार क्यों की? (3)
- मेघ का स्वागत प्रकृति ने किन-किन रूपों में और किस प्रकार से व्यक्त किया? 3)

Question 10-

खीजत जात माखन खात ।
अरुण लोचन, भौंह टेढ़ी बार-बार जम्हात।।
कबहुं रुनझुन चलत घुटुरन , धूर धूसर गात।
कबहुं झुकि के अलक खेचत, नेन जल भर लात।।
कबहुं तुतरे बोल बोलत , कबहु बोलत तात।
सूर हरि की निरखि शोभा, निमिख तजत न मात।।

- श्री कृष्ण के सौंदर्य का वर्णन कीजिए। (2)
- सूरदास जी का जीवन परिचय लिखिए? (2)
- माखन खाते समय बालकृष्ण क्या-क्या लीलाएं कर रहे हैं? (3)
- इस पद्यांश का रचयिता कौन है उन्होंने किसके सुख की कल्पना की है? (3)

Downloaded From www.icseboard.org